क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 213, मंगलवार, 28 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के बारे में अनभिज्ञ हैं राहुल, इसलिए संघ को नहीं समझ सकते: आरएसएस

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने उसकी तुलना इस्लामिक संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए आज कहा कि कांग्रेस प्रमुख भारत को नहीं जानते इसलिए वह भगवा संगठन को समझ नहीं सकते। राहुल ने पिछले सप्ताह लंदन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज में कहा था कि आरएसएस की विचारधारा अरब जगत के मुस्लिम ब्रदरहुड़ के समान है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि आरएसएस भारत की प्रकृति बदलने और इसकी संस्थाओं पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। आरएसएस के प्रचार प्रमुख अरूण कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष के आरोपों के जवाब में कहा, ''गांधी मुस्लिम ब्रदरहुड की अवधारणा को नहीं जानते।'' उन्होंने कहा, ''आज पूरा विश्व इस्लामिक कट्टरपंथ के खतरे का सामने कर रहा है। वह अनभिज्ञ हैं....वह स्थिति की गंभीरता को नहीं समझते इसलिए इस प्रकार का बयान दे रहे हैं।'' भारत को समझने का प्रयास करने के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष के पुराने बयान का जिक्र करते हुए कुमार ने कहा, ''जो भारत को नहीं समझता वह संघ को नहीं समझ सकता।'' कुमार ने कहा कि वह भारत और 'वसुधैव कुटुंबकम' के उसके सांस्कृतिक लोकाचार से अनभिज्ञ हैं जिसका तात्पर्य है कि विश्व एक परिवार है।

संक्षिप्त समाचार

गोधरा कांडः दो आरोपी दोषी करार, तीन को बरी किया गया

अहमदाबाद। गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में फरवरी 2002 में हुए अग्निकांड में एक स्थानीय विशेष एसआईटी अदालत ने आज दो आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। साबरमती एक्सप्रेस के डिब्बों में गोधरा स्टेशन पर हुए अग्निकांड में 59 कारसेवक जिंदा जल गए थे। विशेष न्यायाधीश एच सी वोरा ने इस मामले में फारूक भाना और इमरान शेरू को उम्र कैद की सजा सुनाई जबकि तीन अन्य आरोपियों हुसैन सुलेमान मोहन, कसम भामेड़ी और फारुक धानतिया को बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष वर्ष 2002 में साबरमती एक्सप्रेस के दो डिब्बों को जलाने के मामले में दो आरोपियों की साजिशकर्ता के रूप में भूमिका साबित करने में सफल रहा। इन पांच लोगों को वर्ष 2015-16 में गिरफ्तार किया गया था। इन पर साबरमती केंद्रीय जेल में विशेष तौर पर स्थापित की गई अदालत में मुकदमा चलाया गया था। मोहन को मध्य प्रदेश के झाबुआ से गिरफ्तार किया गया जबकि भामेड़ी को गुजरात के दाहोद रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया था। धानतिया और भाना को गुजरात के गोधरा से उनके घरों से पकड़ा गया। भूतक को महाराष्ट्र के मालेगांव से पकड़ा गया था। इस मामले के आठ आरोपी अब भी फरार हैं। इससे पहले विशेष एसआईटी अदालत ने एक मार्च 2011 को 31 लोगों को दोषी करार दिया था। अदालत ने उनमें से 11 को मौत की सजा सुनाई थी जबकि 20 अन्य को उम्रकैद की सजा दी थी। हालांकि अक्तूबर 2017 में गुजरात उच्च न्यायलय ने 11 दोषियों की मौत की सजा उम्रकैद में बदल दी थी। बीस अन्य आरोपियों की सजा बरकरार रखी थी। गोधरा में ट्रेन जलाने की घटना 27 फरवरी 2002 को हुई थी जिसमें 59 कारसेवक जिंदा जल गए थे। इसके बाद गुजरात के इतिहास के सबसे भयावह सांप्रदायिक दंगे हुए जिनमें करीब एक हजार लोग मारे गए थे।

सेना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में मेजर गोगोई दोषी करार , अब होगी कार्रवाई

श्रीनगर। सेना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में मेजर लीतुल गोगोई को श्रीनगर के एक होटल में एक स्थानीय महिला से ''मिलने'' और कार्य स्थल से दूर रहने का दोषी पाया गया है जिससे उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। सेना के सूत्रों ने आज यह जानकारी दी। पुलिस ने मई में एक विवाद के बाद गोगोई को हिरासत में लिया था। उस समय वह 18 वर्षीय महिला के साथ श्रीनगर के एक होटल में कथित तौर पर घुसने की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों ने कहा कि पिछले साल कश्मीर में अपनी गाड़ी के बोनट से एक नागरिक को बांधने के फैसले के बाद मानव ढाल विवाद के केंद्र में आए अधिकारी को उनके खिलाफ शुरू कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया में साक्ष्यों का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि अदालत ने उन्हें निर्देशों के विपरीत स्थानीय महिला से ''मेलजोल'' रखने और एक अभियान वाले इलाके में अपने कार्य स्थल से दूर रहने का जिम्मेदार ठहराया। सूत्रों ने बताया कि सीओआई ने इस महीने की शुरुआत में संबंधित प्राधिकरण को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू की गई। सेना ने 23 मई की घटना के बाद सीओआई के आदेश दिए थे। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने पहलगाम में कहा था कि अगर गोगोई को ''किसी भी अपराध'' में दोषी पाया जाता है तो कठोर सजा दी जाएगी। गोगोई पिछले साल उस समय सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने नौ अप्रैल को श्रीनगर लोकसभा उपचुनाव में मतदान के दौरान पथराव करने वाले लोगों के खिलाफ ढाल के तौर पर कश्मीर में जीप से एक व्यक्ति को बांधा था। रावत ने तब युवा अधिकारी के कदम का समर्थन किया था और उन्हें आतंकवाद रोधी अभियानों में उनके ''निरंतर प्रयासों'' के लिए सेना प्रमुख के ''प्रशस्ति पत्र'' से सम्मानित किया था।

खेड़ी बाबा को राखी बांधने की लगती है कतार, 100 सालों से है लोगों को आस्था

नई दिल्ली। दिल्ली में एक ऐसा गांव जहां के लोग पुलिस से ज्यादा मंदिर वाले बाबा पर विश्वास करते हैं। ये मंदिर है पश्चिमी जिला के विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र के बापरोला वार्ड में स्थित खेड़ी वाले बाबा का। ऐसी मान्यता है कि 100 सालों से भी अधिक समय से खेड़ी वाले बाबा यहां के निवासियों की रक्षा करते आ रहे हैं। रक्षाबंधन वाले दिन अधिकांश महिलाएं यहां आकर बाबा को राखी बांधती हैं और उन बहनों को विश्वास है कि बाबा उनकी हर समय रक्षा करते हैं। रविवार के दिन भी यहां मेला लगा और हजारों की संख्या में आईं बहनों ने बाबा को राखी बांधी। प्रधान सतपाल सोलंकी ने बताया कि बाबा खेड़ी वाले की पूजा तो यहां वर्षों से की जा रही है, लेकिन भव्य मंदिर का निर्माण 17 साल पहले 2001 में किया गया था। हर साल रक्षाबंधन और इसके नवनिर्माण वाले दिन लाखों की संख्या में लोग आते हैं और इस गांव का हर शख्स सुबह इस मंदिर में आकर पूजा करता है। 168 किलो का घंटा, जिसे बजाने से मिलती है शांति- स्थानीय निवासी संजय पांचाल ने बताया कि इस मंदिर में 168 किलो का घंटा लगा हुआ है। जिसे बनाने में 3 महीने का समय लगा था और इसे मुरादाबाद से बनवाकर मंगवाया गया था। जब लोग मंदिर में बाबा के दर्शन के बाद बाबा की पूजा करके बाहर निकलते हैं तब इस घंटे को बजाते हैं। ऐसी मान्यता है कि घंटा बजाने से इलाके में शांति और अमन-चैन बना रहता है। संदीप सोलंकी ने बताया कि जब 1978 में दिल्ली में भयानक बाढ़ आई थी तब खेड़ी वाले बाबा ने इस गांव की रक्षा की थी और इस इलाके को बाढ़ में डूबने से बचा लिया था। तब से खेड़ी वाले बाबा की मान्यता लोगों में और बढ़ गई है। हालांकि उस समय एक ही गांव हुआ करता था, लेकिन आज इस मंदिर के आस-पास एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियां बस गई हैं। जिनकी आबादी ढाई लाख से भी ज्यादा है।

भारतीय सेना ने देवदूत जैसा काम किया

केरल बाढ़: यमराज पर भारी पड़े असली हीरो

कोच्चि।

केरल में आई भीषण बारिश और बाढ़ में भारतीय सेना ने देवदूत जैसा काम किया है। भारतीय नौसेना ने अदम्य साहस दिखाते हुए इस दौरान हजारों लोगों की मदद की। भारतीय नौसेना ने मूसलाधार बारिश एवं बाढ़ से प्रभावित केरल में फंसे करीब 17,000 लोगों को बचाया। एक रक्षा प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। कोच्चि में प्रवक्ता कमांडर श्रीधर वारियर ने बताया कि नौसेना कर्मी केरल में ''अभियान मदद'' नामक बचाव मिशन का हिस्सा थे। उन्होंने अछुत कौशल एवं साहस दिखाते हुए हजारों लोगों को बचाया। उन्होंने बताया कि अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे केरल में भारतीय नौसेना ने कुल 16,843 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला, इनमें से 1,173 को हवाई मार्ग के जरिए निकाला गया जबकि 15,670 को दल ने जेमिनी नौकाओं की मदद से बचाया। उन्होंने कहा, ''यह उनका कौशल और बचाव के व्यवस्थित प्रयास ही थे कि किसी इलाके से किसी भी व्यक्ति की डूबकर मौत की खबर नहीं आई है।'' वारियर ने बताया कि संयुक्त अभियान केन्द्र (जेओसी) के समन्वय में दक्षिणी नौसेना कमान (एसएनसी) के कमान, नियंत्रण एवं साजो सामान संगठन ने यह सुनिश्चित किया कि बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित इलाकों में नौसेना के जवान तैनात किए जाएं जो क्षमता का इस्तेमाल करते हुए अधिक से अधिक लोगों को बचाएं। उन्होंने बताया कि राज्य प्रशासन से मिली जानकारी और जमीन पर काम कर रहे दलों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर यह पता चला कि कमान के पास उपलब्ध संसाधनों के बहुत सावधानी से इस्तेमाल की योजना बनायी और जिन इलाकों से संकट में घिरे होने की सूचना वाले फोन अधिक आ रहे थे वहां दलों को तैनात किया गया।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को हराया, रूसी सैनिक ने लगाए भारत माता की जय के नारे

नेशनल डेस्क। भारतीय सैन्य दल ने रूस में चल रहे आतंकवाद रोधी विशाल अभ्यास से इतर आयोजित वॉलीबॉल के मैत्री मैच में अपने पाकिस्तानी समकक्ष को हरा दिया। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि इस मैत्री मैच में हिस्सा लेने वाले आठ देशों में से 5 राजपूत रेजीमेंट की टीम विजयी रही। भारतीय सेना की जीत पर सबसे ज्यादा खुश रूस हुआ। रूसी सैनिकों ने खुशी से भारत माता की जय के नारे लगाए। मास्को में भारतीय दूतावास ने अपने ट्विटर हैंडल पर इसका एक वीडियो पोस्ट किया है। ट्वीट में लिखा कि खेल प्रतिस्पर्धा के दौरान भारत और रूस के सैनिकों के बीच खुशमिजाजी देखने को मिली प्रतिस्पर्धा के दौरान रूस और भारत ने एक-दूसरे के लिए चीयर किया। उल्लेखनीय है कि रूस के चेलियाबिंस्क शहर में यह अभ्यास चल रहा है। भारत और पाकिस्तान की सेनाएं आतंकवाद रोधी इस विशाल अभ्यास का हिस्सा थीं। इसका आयोजन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने किया था। इस अभ्यास में भारतीय सेना एवं वायुसेना से करीब 200 कर्मियों ने हिस्सा लिया। इसमें एससीओ के अन्य सदस्य देशों रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने भी शामिल हुए थे।

अहमदाबाद में गिरी चार मंजिला इमारत, 3 को बचाया गया, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

अहमदाबाद। शहर के ओढव इलाके में करीब दो दशक पहले एक सरकारी आवासीय योजना के तहत बनी दो चारमंजिला इमारतें ढह गईं जिसमें से चार लोगों को सुरक्षित निकाला गया जबकि कई अन्य के फंसे होने की आशंका है। गृह राज्यमंत्री प्रदीप सिंह जडेजा ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा स्थानीय दमकल विभाग की टीमों को मलबे से लोगों को निकालने के लिए तैनात किया गया है। दोनों इमारतें चार चार मंजिला थीं। उन्होंने कहा कि ये टीमें बचाव अभियान के लिए आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर रही हैं। जडेजा ने कहा, ''दोनों इमारतों को अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों द्वारा उस समय खाली कराया गया था जब उन्हें लगा कि इमारतें कभी भी गिर सकती हैं। लेकिन कुछ निवासी आज वापस आए और वे इनके ढहने के वक्त इमारत के अंदर ही थे।'' जडेजा ने कहा कि मलबे में आठ दस लोगों के फंसे होने की आशंका है।

सेवादल के आरएसएस की तारीफ में जारी प्रेस नोट को कांग्रेस ने बताया फर्जी

भोपाल ।

कांग्रेस सेवादल द्वारा राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की तारीफ में जारी किए हुए प्रेस नोट ने प्रदेश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल प्रेस नोट में आरएसएस की जमकर तारीफ की गई है और संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार को देशभक्त बताया है। मामला सुर्खियों में आने के बाद सेवादल ने इसे प्रिंटिंग मिस्टेक बताकर फर्जी करार दिया है और कार्रवाई करने की बात कही है। दरअसल कांग्रेस सेवादल के प्रेसनोट में बताया गया कि संघ फौजी अनुशासन वाला संगठन है। इतना ही नहीं सेवादल ने संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाला देशभक्त भी बताया है। प्रेसनोट में डॉ. हेडगेवार के 1921 के असहयोग आंदोलन में भाग लेने और जेल जाने का जिक्र भी किया गया है। साथ ही 1928 में साइमन कमीशन के भारत आगमन पर आरएसएस के आंदोलन करने का भी जिक्र किया गया है। सेवादल के मुताबिक, आरएसएस ने आज़ादी की लड़ाई में भाग लिया था। वहीं, जब यह मामला सुर्खियों में आया तो सेवादल ने इसे प्रिंटिंग मिस्टेक बता दिया। इससे कांग्रेस समेत सेवादल में खलबली मच गई है। प्रेस रिलीज पर विवाद होने के बाद सेवादल के प्रदेश संयोजक योगेश यादव ने इसे फर्जी करार दिया है। योगेश यादव ने बताया कि 'सेवादल का अपना अनुशासन है, इससे भाजपा और आरएसएस बौखलाई हुई है। इसलिए सेवादल के नाम से फर्जी प्रेसनोट जारी किया गया है। कांग्रेस इसकी एफआईआर करवाएगी। गौरतलब है कि कांग्रेस से एक के बाद एक इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। जिसमें कांग्रेस नेताओं द्वार दूसरे दलों की जमकर तारीफें की जा रहीं है। इससे पहले भी राहुल गांधी के बेहद करीबी कांग्रेस नेता दीपक बाबरिया द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की थी।

राइफल के साथ फरार पुलिसकर्मी निकला पीडीपी सदस्य का बेटा

श्रीनगर ।

दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिला में पुलिस स्टेशन से उनके सहयोगियों की ए.के. 47 राइफल लेकर राज्य पुलिस का विशेष पुलिस अधिकारी (एस.पी.ओ.) फरार हो गया हैं जिसका पिता कथित तौर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) का वरिष्ठ सदस्य बताया जा रहा है। एस.पी.ओ. की पहचान शौकत अहमद शेख पुत्र अब्दुल मजीद शेख निवासी हरमैन शोपियां के रुप में हुई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि शौकत एक शानदार छात्र था और 2016 की अशांति के दौरान एस.पी.ओ. के रुप में भर्ती हुआ था। शौकत एक अमीर परिवार से संबंधित है और उसका पिता अब्दुल मजीद पी.डी.पी. का वरिष्ठ सदस्य है। साथ ही उसका पिता फल व्यापार से भी जुड़ा है। परिजनों के अलावा उसके दो भाई और दो बहनें हैं। बड़ा भाई फल व्यापार से जुड़ा है जबकि छोटा भाई सैनिक स्कूल मुम्बई में पढ़ाई कर रहा है। दो बहनों में से एक की शादी हुई है जबकि दूसरी बहन सामाजिक कल्याण विभाग में काम कर रही है।

फरार पुलिसकर्मी के दोस्तों का कहना है कि इस साल 4 मार्च को शोपियां के पहनू गांव में मुठभेड़ के दौरान स्थानीय आतंकी आमिर मलिक और एक अन्य आतंकी तथा चार नागरिकों के मारे जाने के बाद से शौकत पूरी तरह से बदल गया था। आमिर आतंकी रैंकों में शामिल होने से पहले कश्मीर विश्वविद्यालय में इतिहास में पी.जी. कर रहा था।

व्हाट्सऐप पर शिकायत निदान अधिकारी नियुक्त नहीं करने का आरोप, न्यायालय ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली।

उच्चतम न्यायालय ने व्हाट्सऐप द्वारा शिकायत निदान अधिकारी नियुक्त नहीं करने के मामले में आज केंद्र सरकार और व्हाट्सऐप से जवाब तलब किया। यह जवाब उस याचिका पर सुनवाई के सुनवाई के दौरान मांगा गया जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह सोशल मीडिया प्लेटफार्म शिकायत अधिकारी की नियुक्ति करने के प्रावधान और भारत के दूसरे कानूनों का पालन नहीं कर रहा है। यायमूर्ति आर एफ नरिमन और न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा की पीठ ने 'सेन्टर फॉर एकाउन्टेबिलिटी एंड सिस्टेमिक चेंज' की याचिका पर केन्द्र और व्हाट्सऐप को नोटिस जारी किए। इस संगठन की याचिका में अनुरोध किया गया है कि सोशल मीडिया समूह को भारतीय रिजर्व बैंक के प्रावधानों पर पूरी तरह से अमल के बगैर अपनी भुगतान प्रणाली पर आगे बढने से रोका जाए। केंद्र और व्हाटसऐप को चार सप्ताह के भीतर नोटिस का जवाब देना है।

कश्मीर में 2010 के बाद सबसे ज्यादा स्थानीय बाशिंदे आतंकी समूहों से जुड़े

श्रीनगर ।

वर्ष 2010 के बाद इस साल सबसे ज्यादा करीब 130 युवाओं के विभिन्न आतंकी संगठनों से जुडने के साथ जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के मोर्चे पर खतरनाक रूझान उभर रहा है और इनमें से अधिकतर नौजवान अलकायदा से वैचारिक जुड़ाव रखने वाले समूहों से जुड़े हैं। अधिकारियों के अनुसार 31 जुलाई तक 131 युवा विभिन्न आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। इसमें सबसे बड़ी संख्या दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले की है, जहां से 35 युवा शामिल हुए हैं। पिछले साल 126 स्थानीय लोग इन गुटों से जुड़े थे । अधिकारियों ने बताया कि कई युवा अंसार गजवत-उल-ड्क्षहद में शामिल हो रहे हैं। यह समूह अलकायदा के समर्थन का दावा करता है और इसका नेतृत्व जाकिर रशीद भट उर्फ जाकिर मूसा करता है। वह पुलवामा जिले के त्राल क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। इस समूह की स्वीकार्यता धीरे-धीरे बढ़ रही है क्योंकि मूसा एकमात्र ऐसा आतंकी है जिसने हुर्रियत कांफ्रेंस के अलगाववादी नेताओं का दबदबा खत्म किया है और कश्मीर को राजनीतिक मुद्दा बताने पर सर कलम कर देने की धमकी दी है। कश्मीर घाटी में सुरक्षा स्थिति पर नजर रखने वाले अधिकारियों का मानना है कि 'शरीयत या शहादत' के मूसा के नारे ने पाकिस्तान के समर्थन वाले वर्षों पुराने नारे की जगह ले ली है। उसने इंजीनियरिंग कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। हिज्बुल मुजाहिद्दीन के आतंकी बुरहान वानी की मौत के बाद इस 24 वर्षीय युवक ने युवाओं को आर्किषत किया है। वानी 2016 में मारा गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह पढ़ाई के साथ खेल में भी अच्छा था और अंतर राज्य कैरम चैंपियनशिप में उसने राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। यह बड़ी वजह है कि वह घाटी में कई नौजवानों के लिए नायक की तरह उभरने लगा। माना जाता है कि वह यमन-अमेरिकी मूल के प्रचारक अनवार अल अवलाकी से प्रभावित है जो सितंबर 2011 में अफगानिस्तान में गठबंधन बल के हमले में मारा गया था। मूसा मुख्य तौर पर अपने संगठन के लिए भर्ती पर फोकस कर रहा है और नौजवानों को हथियार उठाने के लिए उकसा रहा है। अलकायदा की भिंतयों के लिए भी अवलाकी की बड़ी भूमिका रही थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रेरित करने वाली उसकी क्षमता के कारण लश्कर-ए-तैयबा जैसा आतंकी संगठन भी तब भौंचक रह गया जब वह अबू दुजाना को अपने समूह में ले आया। अबू दुजाना मारा गया था। जम्मू कश्मीर पुलिस के अनुसार भले ही अंसार गजवत उल ड्क्षहद का घाटी में बहुत आधार नहीं हो लेकिन गांव और कस्बे में उसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। प्रतिबंधित आईएसआईएस से संबद्ध आईएसजेके को लेकर भी युवाओं में आकर्षण था लेकिन इसके प्रमुख दाऊद सोफी के मारे जाने के बाद समूह का कोई नामलेवा नहीं है । सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने कहा कि शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग, कुलगाम और अवंतीपुरा जिलों वाले सबसे अशांत दक्षिण कश्मीर में सबसे ज्यादा युवा आतंकवादी संगठनों में शामिल हो रहे हैं। कश्मीर घाटी में इन पांच जिलों से 100 से ज्यादा युवक विभिन्न आतंकी समूह में शामिल हुए हैं। राज्य विधानसभा और संसद में पेश हालिया आंकड़ों के मुताबिक 2010 के बाद इस साल यह आंकड़ा शीर्ष पर है ।

आंकड़े से पता चलता है कि 2010 से 2013 की तुलना में वर्ष 2014 के बाद घाटी में हथियार उठाने वाले नौजवानों की संख्या बढ़ती गयी है।

वर्ष 2010 से 2013 तक यह आंकड़ा क्रमश 54, 23, 21 और छह था। वर्ष 2014 में यह संख्या बढकर 53 हो गयी और 2015 में 66 तथा 2016 में यह 88 तक चली गयी।

संपादकीय

एक साथ चुनाव की बात

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में एक साथ चुनाव कराने को लेकर हो रही चर्चा को लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत बताकर एक तरह से इस मसले को नए सिरे से उभारने का ही काम किया है। यह इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि चंद दिन पहले ही मुख्य चुनाव आयुक्त ओपी रावत ने कहा था कि कानूनी ढांचे का निर्माण किए बिना एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि फिलहाल एक साथ चुनाव की कोई संभावना नहीं। प्रधानमंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त के विचारों को विरोधाभासी नहीं समझा जाना चाहिए। जहां प्रधानमंत्री एक साथ चुनाव पर बहस को जारी रखने की पैरवी कर रहे हैं वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त इस बहस को किसी अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत रेखांकित कर रहे हैं। इस जरूरत की पूर्ति इस मुद्दे पर स्वस्थ बहस से ही संभव है। विडंबना यह है कि स्वस्थ बहस के नाम पर आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्ण राजनीति अधिक हो रही है। जो राजनीतिक दल एक साथ चुनाव के विचार से सहमत नहीं वे कोई ठोस तर्क देने के बजाय यह कहने में लगे हुए हैं कि सरकार लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है। कुछ नेता साथ-साथ चुनाव को क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए खतरा बता रहे हैं तो कुछ केवल विरोध के लिए विरोध जताने में लगे हुए हैं। ऐसे लोग यह जानने-समझने के लिए भी तैयार नहीं कि स्वतंत्रता के बाद कई वर्षों तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे। यदि पहले एक साथ चुनाव कराना संभव था तो अब क्यों नहीं है? इस सवाल का कोई ठोस जवाब अभी तक सामने नहीं आ सका है।1अब जब यह करीब-करीब स्पष्ट है कि आगामी लोकसभा चुनावों के साथ विधानसभाओं के चुनाव होने की संभावना बहुत क्षीण है तब बेहतर यह होगा कि अगले से अगले आम चुनावों के साथ विधानसभाओं के चुनाव कराने पर स्वस्थ दृष्टिकोण से बहस पर ध्यान केंद्रित किया जाए। ऐसा करते समय राजनीतिक दलों को अपने चुनावी हितों के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों पर भी ध्यान देना होगा। वे इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि बार-बार चुनाव होते रहने से केवल राष्ट्रीय संसाधनों पर ही बोझ नहीं पड़ता, बल्कि राजनीतिक विमर्श एक संकुचित दायरे तक ही सीमित रहता है। इसके चलते राजनीतिक दल राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर नीर-क्षीर ढंग से विचार करने के बजाय चुनावी लाभ लेने की होड़ में फंसे रहते हैं। ऐसा करके एक तरह से वे अपना और साथ ही देश का भी समय जाया करते हैं। यदि राजनीतिक दल हर दो-चार माह में चुनाव की चिंता करते रहेंगे तो फिर वे राष्ट्रीय हितों की सुध कब लेंगे? प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र के लिए उत्तम परंपराएं विकसित करने में अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का स्मरण करते हुए यह भी कहा कि वह खुले मन से चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहते थे। बेहतर होगा कि प्रधानमंत्री यह देखें कि एक साथ चुनाव के मसले पर खुले मन से चर्चा के लिए क्या कुछ करने की जरूरत है? इसी के साथ उन्हें अन्य राजनीतिक सुधारों को भी आगे बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि हमारी तमाम लोकतांत्रिक परंपराएं निष्प्राण-निर्थक सी होकर रह गई हैं।

मनुष्यता हुई शर्मसार

बिहार/ अवधेश कुमार

पहले डायन बताकर महिलाओं के साथ बर्बरता की एकाध खबरें आ जातीं थीं किंतु इस तरह के जघन्य और मनुष्यता को शर्मसार करने वाले अपराध नहीं होते थे। सच कहें तो बिहिया की घटना देशव्यापी शर्म का विषय बन गया है। पूरा बिहार इससे स्तब्ध है। लोगों की मानसिकता देखिए। वे कह रहे हैं कि वह वेश्या है। बिहिया में रेलवे किनारे कुछ घर बसे हैं, जिन पर वेश्यावृत्ति का आरोप लंबे समय से है। मृतक युवक का उन घरों में जाना-आना था। हालांकि उस महिला की एक थिएटर कंपनी है। वही लोग जो चीरहरण करके उसे सड़कों पर घुमाने को अपने लिए शौर्य और पराक्रम का विषय मान रहे थे वह उन्हीं थिएटरों में लड़कियों के नाच और गानों पर तालियां पीटते और पैसे उड़ेलते हैं।

बिहार के बिहिया आरा की घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। 35 वर्ष की एक महिला को निर्वस्त्र कर सड़कों पर आधा घंटा से ज्यादा घुमाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। उसके साथ उन्मादित जुलूस अट्टहास करते हुए ऐसे चल रहा है मानो उसने कोई बड़ी विजय हासिल की है। जो जुलूस में शामिल नहीं थे वे या तो तमाशबीन बने रहे या फिर कुछ मोबाइल पर वीडियो बनाने लगे। एक अकेली नंगी की गई महिला और सामने समाज का हर वर्ग। उस महिला पर क्या गुजर रही होगी यह सोचकर ही आत्मा कांप जाती है। और उसका दोष क्या था? एक 16 वर्षीय स्थानीय युवक का शव रेलवे लाइन के पास पाया गया। उसकी बहन इस सदमे को सहन न कर सकी और वह भी चल बसी। उस परिवार की त्रासदी के साथ किसकी सहानुभूति नहीं होगी। युवक की हत्या से समाज में एक साथ दुख और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। किंतु क्या कोई सभ्य समाज अपने आक्रोश को इस तरह प्रकट करेगा? चूंकि उस महिला का घर सामने था इसलिए किसी ने शोर मचाया कि इसी ने मारा या मरवाया होगा। बस, क्या था, भीड़ ने उसके घर पर धावा बोला, जितनी क्षति पहुंचा सकता था पहुंचाया, घर के सामान को तोड़-फोड़कर बाहर फेंका, आग लगाई और कुछ लोगों ने उस महिला को पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। उसके बाद जाहिर है उसके वस्त्र नोच लिये गए। बिहार सरकार और उनके प्रवक्ता यह कहकर कि वीडियो फुटेज के आधार पर 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और बाकी भी तुरंत पकड़ लिये जाएंगे, साबित कर रहे हैं कि उन्होंने जिम्मेवारी का पालन किया है। कोई भी सरकार होती तो उसका बयान ऐसा ही होता। आज की राजनीति में हम इससे अलग प्रकार के आचरण की उम्मीद किसी दल से नहीं कर सकते हैं। चूंकि उसमें गिरफ्तार विरोधी राष्ट्रीय जनता दल का एक स्थानीय नेता भीड़ को उकसाता एवं साथ देते वीडियो में देखा गया है इसलिए यह आरोप भी जड़ा जा रहा है कि सरकार को बदनाम करने के लिए इस घटना को राजनीतिक षड्यंत्र के तहत अंजाम दिया गया। पता नहीं इसमें कितनी सच्चाई है। किंतु जो कुछ हुआ उससे सबका सिर शर्म से झुक गया है। अभी तक पुलिस की जांच में हत्या के पीछे महिला की किसी तरह की भूमिका सामने नहीं आई है। इस घटना के कई पहलू हैं। इसमें कानून और व्यवस्था का मामला है तो महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध का भी। भीड़ की हिंसा का मनोविज्ञान है तो एक महिला और उसके पेशे के प्रति पुरु ष समाज का विकृत सोच भी। ऐसा कुकृत्य करते समय किसी को पुलिस प्रशासन का भय नहीं था तो इसे क्या कहा जाएगा? जो सूचना मिल रही है स्थानीय पुलिस महिला को निर्वस्त्र करने से लेकर नंगे घुमाए जाने तक मौजूद थी। उन पुलिस वालों को निलंबित कर देने मात्र से सरकार की जिम्मेवारी पूरी नहीं हो जाती। उसे यह विचार करना होगा कि आखिर ऐसा करते समय लोगों को कानून का भय क्यों नहीं था? बिहार 1990 के दशक में अपराध के लिए बदनाम अवश्य था, लेकिन महिलाओं के साथ दुष्कृत्य की घटनाएं इस तरह सामने नहीं आतीं थीं। सरकार आंकड़ा देने की आवश्यकता नहीं कि किस वर्ष महिलाओं के विरूद्ध कितने अपराध हुए। हाल में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनकी बिहार में पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। बालिका आश्रय गृहों पर काफी र्चचा हो चुकी है और जांच चल रही है। इसके परे कुछ घटनाओं को याद करिए। इसी वर्ष 6 मई को बगहा के कथैया गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक युवती को बिजली के खंभे से बांधकर लोग पीट रहे हैं, मारो-मारो की आवाज आ रही है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा था। पिछले 28 अप्रैल को जहानाबाद में नाबालिग लड़की के साथ बुरी तरह छेड़छाड़ करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो भी उनके साथी ने ही बनाया और सोशल मीडिया पर डाला। इन दोनों घटनाओं में लगा ही नहीं कि अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ भी हो। मोतिहारी जिले में 13 जून को एक युवती से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया। औरंगाबाद में एक युवती पर तेजाब से हमला हुआ, जिसमें उसका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। इसी समय वैशाली जिले में तेजाब के हमले की शिकार एक लड़की ने करंट लगाकर आत्महत्या कर लिया। पिछले वर्ष अक्टूबर में पटना से 20 किलोमीटर दूर नौबतपुर इलाके में 22 साल के एक युवक ने एक महिला से दुष्कर्म की कोशिश की। महिला ने विरोध किया तो उसने उसके गुप्तांग में लोहे का रॉड घुसा दिया। अंततः उसकी मौत हो गई। पहले डायन बताकर महिलाओं के साथ बर्बरता की एकाध खबरें आ जातीं थीं किंतु इस तरह के जघन्य और मनुष्यता को शर्मसार करने वाले अपराध नहीं होते थे। सच कहें तो बिहिया की घटना देशव्यापी शर्म का विषय बन गया है। पूरा बिहार इससे स्तब्ध है। लोगों की मानसिकता देखिए। वे कह रहे हैं कि वह वेश्या है। बिहिया में रेलवे किनारे कुछ घर बसे हैं, जिन पर वेश्यावृत्ति का आरोप लंबे समय से है। मृतक युवक का उन घरों में जाना-आना था। हालांकि उस महिला की एक थिएटर कंपनी है। वही लोग जो चीरहरण करके उसे सड़कों पर घुमाने को अपने लिए शौर्य और पराक्रम का विषय मान रहे थे वह उन्हीं थिएटरों में लड़कियों के नाच और गानों पर तालियां पीटते और पैसे उड़ेलते हैं। उसको अपने आयोजनों में पैसे देकर बुलाते हैं। किंतु उन परिवारों का वहां होना उन्हें पसंद नहीं। वे विजातीय तत्व की तरह देखे जाते हैं। उनकी नजर में जो वेश्या है उसकी क्या इज्जत? हम कैसा समाज बना रहे हैं? जिनने ऐसा किया वो तो अपराधी हैं हीं। जो मूकदर्शक बने रहे वह कहीं ज्यादा बड़े अपराधी हैं। समाज के तथाकथित भद्र लोगों के मौन से ही अपराधियों और अराजक तत्वों का हौसला बढ़ता है। बिहार सरकार को ऐसा माहौल बनाना होगा ताकि महिलाओं के प्रति भयावह अपराधों की मानसिकता वालों के अंदर भय पैदा हो। प्रशासन को भी उसके दायित्वों की याद दिलाना अपरिहार्य है। भीड़ की हिंसा के लिए अलग से कानून बनाने का आदेश सर्वोच्च न्यायालय ने दिया है। अभी तक कानून नहीं बना और केवल एक राज्य ने न्यायालय में अपनी रिपोर्ट दी है। साफ है कि हम भीड़ की हिंसा पर चिंता जताते हैं, घटना होने पर पुलिस कार्रवाई भी करती है, पर केंद्र एवं राज्य साथ मिलकर ऐसा न हो, इसके लिए कदम नहीं उठा रहे।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

जुड़े रहें जड़ों से

– डॉ. दीपक आचार्य

कभी हवाओं की सुगंध को पहचान कर हम दिशा और दशा तय करते हैं, कभी मुद्राओं की खनकार को सुन कर, और अधिकांश बार तो भीखमंगों की तरह भटकते हुए हर उस द्वार तक पहुंच जाते हैं जिधर कुछ मनचाही भीख मिल जाने की उम्मीद हो। सब तरफ बहुत कुछ छूटता चला जा रहा है। समन्दर में जहाजों का बंदरगाह से संबंध विच्छेद होता जा रहा है, नदियों से नौकाओं को तटों से कसकर बांध रखने वाली रस्सियां इतनी गल गई हैं कि कभी भी बदहवास लहरों का झोंका आया नहीं कि सब कुछ खुलकर उन्मुक्त अवस्था प्राप्त हो जाया करता है।

आधार के बिना सब कुछ निराधार है। यह आधार अपने आप में वह शाश्वत मंच है जिससे जुड़े रहकर हम केन्द्र का सामीप्य और सान्निध्य पाते हुए खुद को हमेशा ऊर्जित और ताजगी भरा महसूस करते हैं और उसी की ताकत से जीवन क्रम को आनंद भाव के साथ आगे से आगे बढ़ाते हुए मस्ती पाते हैं, मौज उड़ाते हैं। कालजयी यश और कीर्ति वही प्राप्त कर सकता है जिसकी बुनियाद मजबूत हो। और यह उसी की हो सकती है जो गहरे तक जमीन से जुड़ा हो। जमीन का यह जुड़ाव और स्नेह ही जमीर देता है। जो जमीन का नहीं हो सकता, उसका जमीर अकाल मृत्यु को प्राप्त कर लेता है और फिर वह त्रिशंकु की तरह भटकने को ही जिन्दगी समझ लेता है। बिना आधार वालों की स्थिति यही होती है। जीतेगा और जीता वही रहेगा जिसका जमीन और जमीर से गहरा नाता है। एक तरफ नींव है और दूसरी और कंगूरों का अहंकारी वर्चस्व। नींव को किसी से कोई सरोकार नहीं है, वह धरती माता का स्नेहिल आँचल पाकर अपने आप में मस्त है। और उधर कंगूरों का अहंकार सातवें आसमान की ओर बढ़ता ही चला जा रहा है। कंगूरों को हमेशा लगता है कि जमीन हमारी वजह से है और जमीन पर रहने वाले लोग उन्हीं की कृपा पर जिन्दा हैं। यह कोई नई बात नहीं है। हर युग में इन्द्र महा अहंकारी, शोषक, अन्यायी, अत्याचारी, विध्वंसक और व्यभिचारी रहा है। उसे मजा आता है शील और पवित्रता भंग करने में, श्रेष्ठ, कल्याणकारी और लोकमंगल से ओत-प्रोत संकल्पों को विखण्डित करना उसका स्वभाव है और यही कारण है कि कभी परीक्षा के नाम पर तो कभी परीक्षण के नाम पर वह कहर ढाता रहता है। और कुछ नहीं तो इन्द्र को जब हर तरफ से निराशा और हताशा हाथ लगती है तब कुढ़ता हुआ प्रतिशोध का रास्ता अपना लेता है और बरपाने लगता है नए-नए कहर। इन्द्र की इस सदाबहार फितरत से सभी लोग वाकिफ हैं और तभी बहुत सारे लोग इन्द्र-इन्द्राणी की आराधना और स्तवन करते हुए खुश करने के जतन करते रहते हैं, सामूहिक भोज करते हैं और इन्द्र यज्ञ करते हुए उसके नाम समिधाएं और हवि समर्पित करते हैं। फिर भी भरोसा नहीं कि उन्मुक्त व्यवहार और मनमानी करने वाला इन्द्र परिवार रीझ ही जाए। उसका रीझना तभी संभव हो पाता है जब उसके अहंकार को स्वीकार करते हुए हर दृष्टि से परितृप्त किया जाता रहे। पर भरोसा तब भी नहीं किया जा सकता, क्योंकि भरमाना और भ्रमित करना भी उसका स्वभाव है और छलना भी। यही वजह है कि आसमानी हवाओं के बूते वह बादलों को उड़ा ले जाता है, कभी मेघों को भरमाकर इधर-उधर धींगामस्ती करने लगता है और कभी सूरज की रोशनी तक को छिपा डालने के लिए काले-घने बादलों की बदचलनी का पूरा-पूरा प्रदर्शन देखते हुए अंधेरा करने तक के काम कर डालता है। पूरे के पूरे परिवेशीय अंधकार के पीछे जो सबसे बड़ा कारण है वह यह कि हम हमारे अपने लोगों, अपनी जमीन, संस्कृति, वैज्ञानिक रहस्यों से भरी और सत्य की तमाम कसौटियों पर खरी उतरी परम्पराओं से दूर होते जा रहे हैं, हम अपनी सनातन संस्कृति और जड़ों से कटते जा रहे हैं जिनके सहारे हमारे पूर्वज और सदियां बंधे रहकर उत्तरोत्तर उन्नति की राह पाते रहें। गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्र के अहंकार का मर्दन करने और शाश्वत सुख-शांति पाने के लिए जिस गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर धारण कर संरक्षण और सान्निध्य प्रदान कर सत्य का अहसास कराया था उसे आज हम सभी भूलते जा रहे हैं जमीनी हकीकत और जमीन से जुड़ाव को त्यागकर पाश्चात्यों के रंग में रंगते हुए हवा में उड़ने का बेताब हो रहे हैं। हमारी स्थिति न घर के न घाट के वाली होती जा रही है। पुराने युग में एक ही त्रिशंकु था, अब हर तरफ त्रिशंकुओं की भरमार है। और हर त्रिशंकु को लगता है कि आसमान उसी का है, किसी और का नहीं। इसी के फेर में न हम आसमान के रहे, न जमीन के। हवाओं के साथ बहते रहने को ही जिन्दगी का सबसे बड़ा सच समझ बैठे हैं। रंग-बिरंगे गुब्बारों की तरह इधर से उधर उड़ते रहकर हम जमीन वालों को चिढ़ा रहे हैं कि हमसे बड़ा और ऊँचा और कोई नहीं। आसमानी हवाओं ने हमारी नीयत में खोट जानकर खुद को भी बदल दिया है। शातिर हवाओं की बदचलनी पूरे परवान पर है। हम इतने ऊँचे उठ गए हैं कि अब हम पर खुद का नियंत्रण ही नहीं रहा। जिधर हवाएं ले चलती हैं उधर चले जाने को विवश हैं। कभी हवाओं की सुगंध को पहचान कर हम दिशा और दशा तय करते हैं, कभी मुद्राओं की खनकार को सुन कर, और अधिकांश बार तो भीखमंगों की तरह भटकते हुए हर उस द्वार तक पहुंच जाते हैं जिधर कुछ मनचाही भीख मिल जाने की उम्मीद हो। सब तरफ बहुत कुछ छूटता चला जा रहा है। समन्दर में जहाजों का बंदरगाह से संबंध विच्छेद होता जा रहा है, नदियों से नौकाओं को तटों से कसकर बांध रखने वाली रस्सियां इतनी गल गई हैं कि कभी भी बदहवास लहरों का झोंका आया नहीं कि सब कुछ खुलकर उन्मुक्त अवस्था प्राप्त हो जाया करता है। अब भी कुछ बिगड़ा नहीं है, क्यों न हम अपनी जड़ों की सुगंध को पहचानें, अपने लोगों, संस्कारों और परंपराओं की जड़ों से बंधे रहने का प्रयास करें। जड़ों से जुड़कर ही हम जिन्दा रह सकते हैं, अलग होकर न कोई जी सका है, न जीवन्त रह सका है।

विचार मंथन

वेतन के मोर्चे पर आज भी बहुत पीछे हैं महिलाएं

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

समाज के कुछ मोर्चे ऐसे हैं, जहां समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत कोई अर्थ नहीं रखता। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि 1993 के बाद दो दशक तक भारत की औसत सलाना विकास दर सात प्रतिशत रही, पर यह विकास दर भी महिला कर्मचारियों को पुरुषों के बराबर खड़ा करने में नाकाम रही। और आज हालत यह है कि ग्रामीण इलाकों में अनियमित महिलाकर्मियों का वेतन देश में सबसे कम है। उनका वेतन शहरी पुरुषों की तुलना में मात्र 22 प्रतिशत है, यानी ग्रामीण क्षेत्र में किसी काम को करने वाली महिला को जितना वेतन मिलता है, शहरी क्षेत्र में उसी काम को करने पर पुरुष कर्मचारी को उसका लगभग पांच गुना वेतन मिलता है। ऐसे कई अध्ययन हैं, जो वेतन में लैंगिक असमानता का कारण कार्यस्थलों पर पुरुषों की नेतृत्वशाली भूमिका, स्त्रियों की शिक्षा, कौशल व काम के प्रति समर्पण में कमी को मानते हैं। पर क्या इसे सचमुच सही माना जा सकता है? सच यह है कि झाड़ू लगाने जैसे कार्य में भी वेतन के मामले में लैंगिक असमानता पाई जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों को सफाई के काम के लिए 218.6 रुपये, तो महिलाओं को 209 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। श्रम ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, राज्य सरकारों की एक निश्चित न्यूनतम मजदूरी के बावजूद स्त्रियों को पुरुषों के मुकाबले बहुत कम भुगतान किया जाता है। आंकड़े हमें यह भी बताते हैं कि एक तरफ जहां आंध्र प्रदेश में बुआई के काम में वेतन असमानता 25.3 प्रतिशत है, वहीं बिहार में इस काम के लिए पुरुषों को 252.6 रुपये रोज मिल रहे हैं, जबकि महिलाओं को 214.6 रुपये। वेतन में लैंगिक असमानता अकेले भारत की समस्या नहीं है, कमोबेश पूरी दुनिया में ही है। ब्रिटेन के 'इक्वलिटी ऐंड ह्यूमन राइट्स कमीशन' की रिपोर्ट भी यही बताती है कि 'मूल रूप से जेंडर पे गैप का मामला बहुत बड़ा है।' कार्यक्षेत्र कोई भी हो, महिलाओं की प्रतिभाओं को कमतर आंकने और पुरुषों के मुकाबले कम वेतन देने की परंपरा समान काम के लिए समान वेतन के विभिन्न कानूनों के बावजूद बदस्तूर कायम है। 'समान काम और समान वेतन' पर किए गए एक शोध से यह पता चलता है कि महिला वैज्ञानिकों को समान कार्य करने के बावजूद पुरुष साथियों की तुलना में 14 प्रतिशत कम मेहनताना मिलता है। महिलाओं को कम वेतन देने के लिए निजी क्षेत्र भी किसी तरह पीछे नहीं है। लेकिन निजी क्षेत्र के मामले में ये चीजें अक्सर सामने नहीं आ पातीं, क्योंकि कर्मचारियों को कितनी तनख्वाह मिल रही है, ये चीजें वहां सार्वजनिक नहीं होतीं। वैसे भी यह समस्या नीतिगत नहीं है, यह समस्या मानसिकता की वजह से है, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्र सभी में समान रूप से पाई जाती है। इसके अलावा, विकासशील देशों से लेकर विकसित देशों तक यह मानसिकता समान रूप से दिख जाती है। इस सत्य की बानगी अमेरिका के उटा प्रांत के राजनेता जेम्स ग्रीन के पत्र से जाहिर होती है, जो पिछले दिनों अमेरिका के समाचार पत्रों में छपा था। इस पत्र में लिखा गया है, 'यदि कंपनियों को महिलाओं को पुरुषों के समान वेतन देने के लिए बाध्य किया जाता है, तो इसका सीधा असर पुरुषों के वेतन पर पड़ेगा। अगर ऐसा होता है, तो पुरुषों को अपने घर की माली स्थिति संभालने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।... जितना हम महिलाओं को मुख्यधारा में शामिल करेंगे, उतनी ही दिक्कतें बढ़ती जाएंगी। हालांकि यह अच्छा प्रयास है, पर इसके दुष्परिणामों पर भी सोचना चाहिए।' जेम्स ग्रीन का विचार पितृ सत्तात्मक समाज की उस सत्यता को ही हमारे सामने लाता है, जिसे कहने में लोग हिचकते हैं। जेम्स ग्रीन ने इसी मानसिकता को स्वर दिया है। भारत में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976, यह सुनिश्चित करता है कि बिना किसी लैंगिक भेदभाव के पुरुष व महिला कामगारों को समान वेतन दिया जाएगा। लेकिन ऐसे प्रगतिशील कानून जिस सोच के तहत बनते हैं, उन्हें न तो समाज की मानसिकता में स्थापित किया जाता है और न ही व्यवहार में अपनाया जाता है। कानून अपनी जगह रहता है और असमानता अपनी जगह। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त

दारोगा ने गोली मारकर की आत्महत्या

सिद्धार्थनगर, जिले में एक दारोगा ने गोली मारकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के गोल्हौरा थाने में तैनात दारोगा विकास सिंह वीआईपी ड्यूटी पर गोरखपुर गये थे। वहां उन्होंने खोराबार थाना क्षेत्र के विवेकपुरम मुहल्ले में स्थित अपने आवास पर कल अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। इस वारदात में सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस मामला दर्ज कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर रही है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गुंडा टैक्स प्रकरण में मिली जमानत

फैजाबाद, प्रभारी जिला जज अमरजीत त्रिपाठी ने गुंडा टैक्स प्रकरण में अभियुक्त रंजीत सिंह की जमानत अर्जी मंजूर कर दी। अधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह व दीपक सिंह ने दलील दी कि अभियुक्त काफी समय से जेल में निरुद्ध है, उसे रंजिशन फंसाया गया है। रंजीत सिंह के विरुद्ध इनायतनगर थाने में ठेकदार गोपेश अग्रवाल ने जानलेवा हमला करने व गुंडा टैक्स के लिए धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दूसरा मामला महराजगंज थाने में बनवीर सिंह ने दर्ज कराया था।

२०१ महिलाओं को मिला गैस कनेक्शन

कोन (सोनभद्र), उज्ज्वला योजना के तहत क्षेत्रीय गैस एजेंसी द्वारा कचनरवा में कैंप लगाकर 201 बहनों को गैस सिलेंडर प्रदान किया गया। रक्षाबंधन पर गैस सिलेंडर पाने के बाद महिलाओं की खुशी देखते ही बनी। वितरण समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा के मंडल अध्यक्ष शशांक मिश्रा व जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता ने प्रधानमंत्री के इस पहल को महिलाओं के लिए हितकारी बताया। उन्होंने कहा कि चूल्हे पर खाना पकाते समय निकलने वाले धुएं से तमाम बीमारियां फैलती हैं। गैस पर खाना पकाने से महिलाओं को इस परेशानी से छुटकारा मिल जायेगा। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य रूप से रमेश चौबे, प्रधान उदय यादव, कुन्जू, विनय उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

बारिश से रिहायशी खपरैल का घर ढहा

संतकबीर नगर, महुली थाना क्षेत्र के बंधुपुर में रविवार को हुई तेज बारिश के बाद जहां एक रिहायशी खपरैल का घर ढह गया वहीं एक अन्य व्यक्ति के घर का छज्जा गिर गया। संयोग अच्छा रहा कि घटना के समय कोई मौजूद नहीं था अन्यथा अप्रिय घटना घट सकती थीं। बंधुपुर निवासी राम उजागिर पुत्र मिनकू का खपरैल का घर बारिश के बाद रविवार को भरभराकर गिर गया। वहीं रामदीह पुत्र अलगू के मकान का छज्जा भी गिर गया।

सर्पदंश से बालिका की मौत

केराकत (जौनपुर), अकबरपुर गांव में रविवार की भोर में दलित बस्ती में सर्पदंश से ढाई वर्ष की बालिका की मौत हो गई। दिनेश राम की पुत्री विद्या को उसकी मां शौच कराने के लिए घर के पीछे भोर में बैठाकर पानी लेने चली गई। इसी दौरान सर्प ने बच्ची के पैर में डंस लिया। बच्ची के शोर मचाने पर परिजन भागते हुए पहुंचे तो देखा उसके पैर से खून निकल रहा था। उसे झाड़-फूंक के लिए भौरा गांव ले गए। झाड़-फूंक करने वाले ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों को विश्वास नहीं हुआ तो लालगंज स्थित अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक द्वारा भी मृत घोषित किए जाने पर ले जाकर शव की अंत्येष्टि कर दी।

वाहन दुर्घटना में ५ व्यक्ति घायल

सिद्धार्थनगर, जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अलग-अलग वाहन दुर्घटनाओं में पांच व्यक्ति घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। इसमें से दो की हालत गंभीर है। उनकी स्थिति गंभीर देख उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। इसमें संतकबीरनगर के कोटिया पांडेय के (२२) रामरतन समेत एक अन्य शामिल हैं। इसके अलावा बांसी नौगढ़-मार्ग पर करौंदा मसिना के पास दो बाइकों में भिड़ंत से डुमरियागंज कस्बे की (३५) रुखसाना खातून, (२८) शबनम व (४) मेहताब घायल हो गया। तीनों मुख्यालय अपने किसी रिश्तेदार के यहां आए थे।

भाई का शव देख बेहोश हुई बहनें

भटनी(देवरिया), थाना क्षेत्र के मोतीपुर भुआल में राखी बांधने पहुंचीं दो बहनें दरवाजे पर पहुंचते भाई का शव देख उनके हाथ से राखी व मिठाई का डिब्बा गिर गया। वह दहाड़ मारने लगीं और बेहोश हो गईं। सनोज की शनिवार को कुछ लोगों ने लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया था और इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। रविवार को परिजन शव को लेकर घर पहुंचे थे कि सनोज की दोनों बड़ी बहनें सरोज देवी व पुष्पा देवी भाई को राखी बांधने पहुंचीं। दरवाजे पर भीड़ थी। भीड़ के बीच भाई का शव देख दोनों दहाड़ मारने लगीं।

करंट से बालिका की मौत

रेवती (बलिया), रेवती नगर के नगर के वार्ड नंबर तीन में करंट की चपेट में आने से निर्मला कुमारी (१२) की मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। मनोज राजभर की पुत्री घर की सफाई कर रही थी। इसी बीच दरवाजे के बाहर खंभे में उतरे करंट की चपेट में आकर छटपटाने लगी। यह देख आसपास के लोगों ने किसी तरह उसे करंट से अलग किया। लोग उसे सीएचसी रेवती ले गए जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

ओडीएफ गांव होने से सुधरा स्वास्थ्य

चंदौली, सदर ब्लाक का केशवपुर गांव ओडीएफ हुआ तो लोगों का स्वास्थ्य सुधरा और गांव की तस्वीर बदली। जो सड़कें दिन में चलने लायक नहीं थी अब देर शाम तक बच्चे उस पर क्रिकेट खेलते हैं। सुबह शाम महिलाएं सड़कों पर टहलती हैं। बरसात में कभी यहां डायरिया फैलता था लेकिन इस साल एक दो बच्चों को छोड़ दें तो मरीज ही नहीं मिले।

प्रेरणास्त्रोत रहेगा अटल जी का व्यक्तित्व-मोती सिंह

प्रतापगढ़, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारत ही नहीं बल्कि विश्व के महान राजनेताओं में से एक थे। उनका पूरा जीवन एक खुली किताब की तरह था। राष्ट्र को सम्मुनत करके, परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाकर और मानवीयता के उच्च मापदंडों को स्थापित किया। ऐसे में उनका जीवन हिंदुस्तान के करोड़ों व्यक्तियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। यह विचार प्रदेश के ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए। अन्य वक्ताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अटल जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उनका जीवन दर्शन भारतीयों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कांग्रेस नगर अध्यक्ष कपिल द्विवेदी ने अपना विचार व्यक्त करने के साथ ही पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी का वह पत्र भी पढ़ा, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को राजनीति का अजातशत्रु बताते हुए कहा है कि उन्होंने एक सच्चे सपूत के रूप में भारत माता की सेवा की। अटल जी के ओजस्वी तर्क को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें भारत का भावी प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। वे कभी पार्टी बंधन में नहीं बंधे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकतंत्र सेनानी राममूर्ति त्रिपाठी व संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक मिश्र ने किया। श्रद्धांजलि सभा को सांसद कुंवर हरिवंश सिंह, विधायक रानीगंज धीरज ओझा, विधायक सदर संगमलाल गुप्ता, राजा अनिल प्रताप सिंह, नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह, पूर्व विधायक हरि प्रताप सिंह, पूर्व विधायक बृजेश मिश्र, पूर्व एमएलसी विध्यवासिनी कुमार, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष देवानंद त्रिपाठी, केके सिंह, गणेश नारायण मिश्र, कांग्रेस नेता ओमप्रकाश पांडेय, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष माधुरी सिंह, संजय सिंह, गिरीश पांडेय, अनिल सिंह, राजेश सिंह, लोकदल नेता आजाद अली पप्पू, सपा नेता आशुतोष पांडेय, अभय प्रताप सिंह, रामकृष्ण मिश्र, डा. लालजी त्रिपाठी, डा. श्याम शंकर शुक्ल ने संबोधित किया। अंत में मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी, हाल में मौजूद लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दिया।

दहेज हत्या के आरोपी की मार्ग दुर्घटना में मौत

बस्ती, हर्रैया थाना क्षेत्र के बड़हर कला गांव के सामने हाइवे पर ट्रक की चपेट में आने से छावनी थाना क्षेत्र के कौवाडाड़ गांव निवासी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी हर्रैया पहुंचाया जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उसे बस्ती ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते ही मौत हो गई। दिवंगत के ऊपर गुरुवार को ही पत्नी की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में छावनी थाने में दहेज हत्या का मामला दर्ज हुआ था। श्रवण कुमार (२८) पुत्र रामपूरत की शादी गोरखपुर में हुई थी। गुरुवार को उसकी पत्नी शशि (२६) का शव छत की कुंडी से घर के एक कमरे में लटका पाया गया था। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने श्रवण कुमार तथा उसकी माता व पिता पर हत्या का आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज करने की तहरीर दी थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद वह घर से बाहर ही रह कर पुलिस की नजरों से बच रहा था। रविवार को वह चुपके से घर जाते समय बड़हर गांव के सामने एक चाय की दुकान पर जलपान करने के लिए बाइक खड़ी कर हेलमेट वहीं रख सड़क पार कर रहा था इसी बीच फैजाबाद की ओर जा रहे ट्रक की चपेट में आ गया। पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। चौकड़ी टोल प्लाजा पर जाम में फंसे ट्रक व चालक को भी हिरासत में ले लिया गया है। मामले में देर शाम तक तहरीर नहीं पड़ी थी।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही सरकार-नंदी

इलाहाबाद, नारी की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार तथा उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ

की सरकार के लिए सर्वोपरि है। दोनों सरकारें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही हैं, जिसका प्रभाव भी सामने आने लगा है। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में बड़ी शक्ति बनकर उभर रही हैं। प्रदेश के स्टांप तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री नंदगोपाल गुप्त 'नंदी' ने यह बातें कहीं। मंत्री नंदी ने रक्षाबंधन के मौके पर शहर में आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान करके ही राष्ट्र का उत्थान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ मेला से पहले इलाहाबाद का नक्शा बदल जाएगा। बताया कि शहर हवाई सेवा से जुड़ चुका है, जिसे आने वाले दिनों में और विस्तार दिया जाएगा। मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी ने पुलिस लाइंस में महिला पुलिस कर्मियों से राखी बंधवाया। साथ ही अपने आवास पर पहुंची महिलाओं से राखी बंधवाई। उन्होंने कहा कि हर समय उनके सम्मान और अधिकार की रक्षा करने का वादा भी किया।

दावत के खर्चे को लेकर हुई थी श्यामजीत की हत्या

जलालपुर (जौनपुर), अटहनू (लहंगपुर) गांव में बीते रविवार को श्यामजीत यादव की गोली मारकर हत्या दावत में हुए खर्च के विवाद को लेकर हुई थी। यह खुलासा हत्यारोपित की घटना के पांच दिन बाद गिरफ्तार होने पर हुआ। हत्या में प्रयुक्त असलहा भी बरामद हो गया है। अटहनू (लहंगपुर) निवासी पेशे से राजगीर श्यामजीत यादव की पड़ोसी गांव करखियावं गांव (वाराणसी) निवासी मित्र पिंटू गौड़ के घर से दावत खाकर लौटते समय घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों ने तहरीर देकर श्यामजीत की हत्या का आरोप उसी के मित्र गांव के ही नेपाली उर्फ पिंटू उर्फ रमा शंकर यादव पर लगाया था। तभी से पुलिस आरोपित की तलाश में संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दे रही थी।

रविवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर देवतानंद सिंह ने मय फोर्स रमा शंकर उर्फ नेपाली को लहंगपुर गांव के समीप आशीर्वाद होटल के पास से गिरफ्तार कर लिया। वह कहीं भागने की फिराक में वाहन का इंतजार कर रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपित ने कुबूल किया कि दावत में खर्च हुए पैसे को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी पर गुस्से में आकर उसने श्यामजीत को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल के पास बांस के कोठ में छिपाकर रखी गई हत्या में प्रयुक्त 32 बोर की पिस्टल, दो कारतूस व पास में ही स्थित सूखे कुएं से एक जोड़ी चप्पल बरामद कर ली। लिखा-पढ़ी के बाद पुलिस ने आरोपित का चालान कर दिया।

बहन को रक्षाबंधन पर दिया 'इज्जत घर'

आजमगढ़, महात्मा गांधी के 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के सपने को साकार करने के लिए केंद्र व प्रदेश की सरकार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निकाय व गांवों में शौचालय बनवाकर खुले में शौच से मुक्त करने का अभियान चलाया है। गांधी जी के इस सपने को साकार करने की दिशा में एक सफाई कर्मी पद पर तैनात भाई ने अपनी बहन को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर उसकी ससुराल में शौचालय बनवाने के लिए १२ हजार रुपए का चेक दिया। अपनी बहन को 'इज्जत घर' बनवाने के लिए एक भाई की ऐसी पहल औरों को भी प्रेरित करेगी। विकास खंड फूलपुर के बखरा गांव निवासी और विकास खंड मार्टीनगंज के सफाई कर्मचारी संघ के ब्लाक अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद की तैनाती इस समय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत ब्लाक मुख्यालय पर स्थापित वार रूम में लगाई है। वहां वह अपने कार्यों के अलावा अपनी तैनाती स्थल के गांव में लोगों को शौचालय निर्माण के प्रति जागरूक करते हैं। उनकी बहन विमला देवी पत्नी सोहनलाल की शादी जौनपुर के विकास खंड सोधी की ग्राम पंचायत खलौतीपुर पोस्ट जमदहां में हुई है। यूं तो पिछले

रक्षाबंधन पर बहन विमला को सुरेंद्र ने जो भी उपहार दिए रहे हों लेकिन इस बार के रक्षाबंधन पर बहन ने शौचालय निर्माण की चर्चा की थी। क्योंकि ससुराल में शौचालय न होने के कारण उसे दिक्कत होती है। लोगों को शौचालय निर्माण के प्रति जागरूक करने वाले सफाई कर्मी भाई ने इस बार बहन को घर बुलाया और उपहार में 'इज्जत घर' निर्माण के लिए १२ हजार रुपए का चेक दिया जिसे पाकर बहन के चेहरे पर जो खुशी थी वह देखते ही बन रही थी।

अयोध्या में परमात्मादास बनकर रहता था बिहार का इंद्रकुमार

फैजाबाद, महंत रामचरनदास की हत्या ने एक और बड़े रहस्य से पर्दा उठाया है। महंत का हत्यारोपी परमात्मादास अयोध्या में अपनी पहचान छुपाकर रहता था। परमात्मा दास की वास्तविक पहचान बिहार के जिला आरा थाना भोजपुर गांव बिरत से जुड़ा है, जहां उसे इंद्रकुमार सिंह के नाम से जाता है। बिहार का रहने वाला इंद्रकुमार सिंह अयोध्या आकर परमात्मादास बन गया। रामनगरी में विद्याकुंड स्थित विद्यामाता मंदिर के पूर्व महंत की शागिर्दी में रहने लगा। यहां तक कि मंदिर संपत्ति को हथियाने के लिए उसने दोबार रामचरनदास पर हमला भी किया। बिहार के इंद्रकुमार का परमात्मादास बनने तक का सफर पुलिस जांच के मुख्य केंद्र में है। परमात्मादास को अपनी वास्तविक पहचान क्यों छुपानी पड़ी, इसकी पड़ताल के लिए बिहार पुलिस से संपर्क साधा गया है। परमात्मादास पहला व्यक्ति नहीं, जो अयोध्या में अपनी पहचान छुपा कर रहता था, इससे पूर्व गत मार्च माह में अयोध्या के साकेत भवन मंदिर से बिहार के वांछित सुरेश सिंह को पटना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सुरेश सिंह हत्या के एक मामले में 37 साल से वांछित था। बिहार से भागकर वह अयोध्या पहुंचा था। किसी तरह सुरेश साकेत भवन पहुंच गया, जहां महंत की सेवा करने के बाद इसने वहां अपनी जगह बना ली और फिर यहीं अनिलदास के नाम से रहने लगा था। अयोध्या में छिपे बाहरी लोगों की पहचान के लिए पुलिस ने सत्यापन कराने का ढोल पीटा था, लेकिन परमात्मादास की सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस के दावों की पोल खुल गई है। अयोध्या में छिपे अपराधिक तत्व रामनगरी की कानून-व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा साबित हो रहे हैं।

भाजपा बूथ अध्यक्ष पर फायरिंग

पट्टी (प्रतापगढ़), स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के मुजाही क्षेत्र के भाजपा बूथ अध्यक्ष व वीणापाणि इंटर कालेज मुजाही के प्रबंधक पुत्र पर अपाची सवार युवकों ने फायरिंग की। हालांकि वह बाल-बाल बच गए। इस मामले में साथी अनीश की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक को नामजद करते हुए तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के मुजाही बाजार स्थित वीणापाणि शिक्षा मंदिर इंटर कालेज के प्रबंधक पुत्र सतीश कुमार सिंह भाजपा मुजाही बूथ के अध्यक्ष हैं। वह अपने मित्र अनीश कुमार सिंह निवासी लाखीपुर कप्सा के साथ विद्यालय के कार्य से जिला मुख्यालय गए थे। शाम को जब वह लौट रहे थे तो ईशनपुर गांव के निकट उन पर अपाची सवार युवकों ने फायरिंग कर दी। गोली उनकी गाड़ी में लगी, लेकिन उसमें सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी गोदान एक्सप्रेस में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

गोरखपुर, गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी गोदान एक्सप्रेस में किशोरी को बंधक बनाकर रेलकर्मियों व मजदूर ने दुष्कर्म किया। गश्त पर निकली जीआरपी ने आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी रेलवे के निर्देश पर थाना प्रभारी ने आरोपितों पर सामूहिक दुष्कर्म और पास्को एक्ट तहत मुकदमा दर्ज किया है। जीआरपी ने उन्हें रिमांड मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। मऊ जिले की रहने वाली (१६) किशोरी शनिवार सुबह दवा लेने आजमगढ़ गई थी। लौटते समय वह गोदान एक्सप्रेस में बैठ गई। ट्रेन में नींद आ जाने के कारण वह गोरखपुर पहुंच गई। मऊ जाने के लिए ट्रेन न मिलने पर रात में प्लेटफार्म नंबर आठ पर ही रुक गई। आरोप है कि भोर में चार बजे के करीब पहुंचे तीन युवक उसे अगवा कर प्लेटफार्म पर खड़ी गोदान एक्सप्रेस में उठा ले गए। कोच में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। प्लेटफार्म पर गश्त कर रहे जीआरपी के सिपाहियों ने किशोरी की चीख-पुकार सुन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उनकी पहचान वैशाली (बिहार) के राजापाकर निवासी हरिकांत सिंह, भागलपुर के नयागांव निवासी शंभू रजक के रूप में हुई, जो रेलवे में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। तीसरा आरोपी रुद्रपुर (देवरिया) के माहीगंज निवासी चौथी गुप्ता स्टेशन पर मजदूरी करता है। एसपी रेलवे पुष्पांजलि देवी ने बताया कि पीड़ित गोरखपुर पहुंचने की सही वजह नहीं बता पा रही है। उसके घरवालों को सूचना दे दी गई है। पीड़ित के साथ ही आरोपितों का मेडिकल कराया जा रहा है।

दो मोटर साइकिलों में टक्कर फार्मासिस्ट की मौत

महराजगंज, कोल्हुई थाना अंतर्गत बहदुरी रोड पर इंद्रजोत गांव के पास रविवार की शाम को दो मोटर साइकिलों में टक्कर होने से कुशीनगर में जिले के हाटा अस्पताल में तैनात फार्मासिस्ट (५०) सुरेंद्र नाथ पांडेय की मौत हो गई और उनके मित्र सत्य प्रकाश दुबे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को पुलिस ने समीपवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया है। सिद्धार्थनगर जिले के उस्का थाना अंतर्गत परसा बुजुर्ग निवासी व फार्मासिस्ट सुरेंद्र नाथ पांडेय अपने मित्र व उस्का थाने के ग्राम सुगही निवासी सत्य प्रकाश दुबे के साथ सुबह अपनी बहन के घर कोल्हुई पहुंचे। बहन से राखी बंधवाने के बाद शाम को दोनों मित्र एक ही मोटर साइकिल से अपने गांव के लिए चले। शाम करीब छह बजे बहदुरी रोड पर इंद्रजोत गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मोटर साइकिल से फार्मासिस्ट की मोटर साइकिल टकरा गई और मित्र संग फार्मासिस्ट सड़क पर गिर गए तथा कुछ देर बाद मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर कोल्हुई थानाध्यक्ष उपेंद्र मिश्र मय फोर्स मौके पर पहुंच गए और घायल सत्य प्रकाश दुबे निवासी ग्राम सुगही, थाना उस्का जनपद सिद्धार्थनगर को अस्पताल में भर्ती कराया। थानाध्यक्ष ने बताया कि फार्मासिस्ट की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मृतक के परिजनों को उस्का थाने के माध्यम से सूचना दी गई है।

समाज में अधिवक्ताओं की भूमिका अहम

गोंडा, समाज के उत्थान में अधिवक्ताओं की भूमिका अहम है। देश की आजादी के इतिहास से लेकर वर्तमान तक में अधिवक्ताओं का एक अहम योगदान है।

ऐसे में अधिवक्ताओं को समाज कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। जनपद न्यायालय परिसर में सिविल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक दीपनरायन पांडेय की स्मृति में सामाजिक उत्थान में अधिवक्ताओं की भूमिका विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय ने कहा कि अधिवक्ता व बेंच एक ही सिक्के के दो पहलू है। ऐसे में अधिवक्ताओं को अपनी जिम्मेदारी को समझकर उसका निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम में एडिशनल एडवोकेट जनरल कुलदीप पति त्रिपाठी ने सामाजिक उत्थान में अधिवक्ताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। आयोजक अधिवक्ता विवेक पांडेय ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। गोष्ठी में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता वाईएस लोहित, पूर्व विधायक परमात्मा सिंह, जनपद न्यायाधीश राघवेंद्र, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम कृपाल शुक्ला, सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार मिश्र के साथ ही अन्य अधिवक्ताओं ने विचार व्यक्त किया।

राखी बांधने मायके नहीं जा सकी महिला ने लगाई फांसी

इलाहाबाद, भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए समय पर मायके नहीं जा सकी सोनी दुबे (३३) ने रविवार सुबह फांसी लगा ली। इससे उसकी मौत हो गई। घर पहुंचे मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया। हालांकि अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है। जार्जटाउन थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर अल्लापुर निवासी राम प्रसाद आरओ प्लांट और पानी का कारोबार करते हैं। करीब 15 साल पहले प्रतापगढ़ निवासी सोनी दुबे से उनकी शादी हुई थी। दो बेटे हैं। रविवार सुबह करीब 10 बजे सोनी ने बाथरूम में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। रक्षाबंधन के त्यौहार पर सोनी की मौत से परिवार में मातम छा गया। खबर पाकर जार्जटाउन पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। चौकी इंचार्ज अल्लापुर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सोनी ने शनिवार रात अपने पति से कहा था कि राखी बांधने के लिए मायके जाना है। तब पति ने उसे भोर में चलने की बात कही थी। रविवार सुबह पति राम प्रसाद देर तक सोता रहा। इससे सोनी नाराज हो गई। नींद खुलने पर पति ने कहा कि वह कार मंगवा दे रहा है। सोनी मायके जाकर राखी बांध आए। इसके बाद सोनी बाथरूम में नहाने के लिए चली गई। काफी देर तक नहीं निकली तो दरवाजा खटखटाया, लेकिन उत्तर नहीं मिला। दरवाजा तोड़कर देखा तो सोनी फंदे पर लटक रही थी। घटना की जानकारी मायके वालों को हुई तो वह घर पहुंचे और हंगामा किया। एसएसआई सर्वेश सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संक्रामक रोगों को दावत दे रही गंदगी

सुल्तानपुर, सफाईकर्मियों की मनमानी से ग्रामीण आजिज हो गये है चारों तरफ फैली गंदगी इसका प्रमाण दे रही हैं। उस पर पिछले तीन चार दिन से रुक रुक कर हो रही बरसात ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नालियां चोक होने से जगह-जगह गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। जिससे कभी भी संक्रामक बीमारियां फैल सकती है। बानगी के तौर पर कस्बा चांदा को लिया जा सकता है। यूं तो चांदा कस्बा की सफाई व्यवस्था के लिए दो दो सफाई कर्मियों की तैनाती है। बावजूद इसके ब्लाक मुख्यालय के सामने ही गंदगी का अंबार लगा है। ब्लाक परिसर में ही पशुचिकित्सालय होने के कारण यहां आने वाले लोगों को और परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी तरह बनभोकार, कोथरा खुर्द, गणिमा कोइरीपुर , सोनांवा, बैंतीकला, सिंहौली सफीपुर, मल्हीपुर, शिवपुर, कसईपुर, इंदौली गांवों के प्राथमिक विद्यालय व सार्वजनिक इमारतों व नालियों की महीनों से सफाई नहीं हुई है। गांव के दीनदयाल, राजेश कुमार, मनीष तिवारी, शीतला प्रसाद, अनिल सिंह आदि कहते है कि मामले की कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन नतीजा नहीं निकला। इस बावत पूछे जाने पर एडीओ पंचायत राम भारत कहते हैं कि जल्द ही गांवों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। जिस ग्राम पंचायत में खामियां मिली संबंधित कर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

करंट से अधेड़ की मौत

देवरिया, द्वार थाना क्षेत्र के ग्राम भरौली में रविवार की तड़के करंट की चपेट में आने से पीआरडी जवान की मौत हो गई। साथ ही एक पड़िया भी करंट की चपेट में आ गई। पीआरपी जवान की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गांव के राजवर्धन दुबे (५५) पुत्र स्व.लल्लन किशोर धर दुबे के घर के पास एक नीम का पेड़ बिजली के तार पर एक दिन पूर्व शनिवार को पेड़ गिर गया, जिससे तार नीचे आ गया। बिजली विभाग को सूचना भी दी गई, लेकिन तार को हटाया नहीं जा सका। रक्षाबंधन होने के चलते राजवर्धन भोर में भैंस से दूध निकाल रहे थे। इसी बीच पड़िया खूंटे से रस्सी तोड़कर बिजली के तार के निकट पहुंच गई और करंट की चपेट में आ गई।

पूर्व प्रधानपति की हत्या का पर्दाफाश, ३ बदमाश गिरफ्तार

महराजगंज, पनियरा क्षेत्र के ग्राम गोनहा निवासी व पूर्व प्रधानपति तेज प्रताप यादव की हत्या में शामिल दो शूटरों समेत तीन बदमाशों को कल पुलिस की दो टीमों ने पट्टे चौराहे से गिरफ्तार किया और हत्या में प्रयक्त बाइक, दो कट्टा, चार जिंदा कारतूस व एक मोबाइल बरामद कर लिया। यह जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक आशुतोष शुक्ल ने रविवार को पत्रकारों को दी। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते 24 जुलाई की रात में 11 बजे बाइक सवार तीन बदमाशों ने घर पर चढ़ कर हत्या की नीयत से (४०) तेज प्रताप यादव के पेट में गोली मारी थी। इलाज के लिए लखनऊ ले जाते समय तेज प्रताप ने रास्ते में दम तोड़ दिया था। इस मामले में पहले हत्या प्रयास की धारा में केस दर्ज हुआ था पर मौत के बाद हत्या प्रयास की धारा हत्या में तरमीम कर दी गई थी। इस घटना के पर्दाफाश के लिए पुलिस अधीक्षक ने सीओ सदर के नेतृत्व में पुलिस की दो टीम गठित की थी। विवेचना में पता चला कि तेज प्रताप यादव ने गांव के ही लकड़ी के अवैध कारोबारी सोनू सिंह की लाखों रुपये की लकड़ी वन विभाग से पकड़वा दी थी। इससे नाराज सोनू

सिंह ने पूर्व प्रधानपति तेज प्रताप यादव की हत्या की योजना बनाई और देवरिया जिले के मदनपुर थाना अंतर्गत ग्राम मदिला दोयम निवासी शिवम सिंह, बरहज थाना अंतर्गत तिवारीपुर निवासी आकाश उर्फ बंटी वर्मा, गोरखपुर जिले के गगहा थाना अंतर्गत ग्राम नेवादा निवासी रजनीश यादव को तेज प्रताप यादव की हत्या की सुपारी दी थी। तेज प्रताप यादव की हत्या करने वाले तीनों बदमाश कल पैसा लेने के लिए पनियरा के पटूटे चौराहे पर सुबह पहुंचे और हत्या कराने वाले सोनू सिंह की प्रतीक्षा करने लगे। इसकी जानकारी खास मुखबिर ने पनियरा थाने के प्रभारी निरीक्षक राजेश वर्मा व सिंवलासं के प्रभारी निरीक्षक राम कृपाल सिंह को दी। दोनों निरीक्षक फोर्स के साथ पट्टे चौराहे पर पहुंच गए और तीनों हत्यारोपितों को दबोच लिया और तीनों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दो कट्टा व चार कारतूस और बाइक बरामद कर लिया। हत्या कराने वाले सोनू सिंह की गिरफ्तारी में पुलिस जुटी है।

हत्या करने जा रहे मामा-भांजे चढ़े पुलिस के हत्थे

गाजीपुर, मऊ जनपद के बेला सुल्तानपुर निवासी एक व्यक्ति की हत्या करने जा रहे मामा-भांजे रात रेवतीपुर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। यह कामयाबी पुलिस को वीरऊपुर मोड़ के पास मिली। तलाशी में उनके पास से दो तमंचा व 13 कारतूस बरामद हुआ। एसपी ग्रामीण चंद्रप्रकाश शुक्ला ने रविवार की शाम बदमाशों को मीडिया के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एसपी ग्रामीण ने बताया कि रेवतीपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी शनिवार की रात नकदीलपुर से कामाख्या धाम को जाने वाले मार्ग पर वीरऊपुर के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान बिहार के रास्ते होते हुए दो बदमाश स्कार्पियो से पहुंचे। शक होने पर पुलिस ने स्कार्पियो को रोकने का इशारा किया तो वे वाहन रोककर पैदल ही भागने लगे। हालांकि

पुलिसकर्मियों ने कुछ ही दूरी पर उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़ा गया बदमाश शिवशंकर ने बताया कि उसके पिता राजकिशोर मिश्रा उर्फ घूरा पंडित नोटबंदी के दौरान मऊ जनपद के घोसी थाना क्षेत्र के बेला सुल्तानपुर गांव निवासी पनवेश राय से ब्लैक मनी को ह्वाइट करने के लिए 25 लाख रुपए लिए थे। दो साल के भीतर ही वे सूद समेत 31 लाख रुपए पनवेश राय को वापस कर दिए। इसके बावजूद भी वह 20 लाख रुपए और मांग रहा था। साथ ही धमकी दे रहा था कि अगर रुपए नहीं दिए तो अंजाम बुरा होगा। आए दिन पनवेश राय की धमकी से आजिज आकर शिवशंकर अपने मामा धमेंद्र से मिलकर बिहार से असलहा खरीदा और दोनों पनवेश की हत्या करने के लिए निकले लेकिन इससे पहले ही वे रेवतीपुर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। शिवशंकर मिश्रा, निवासी कथकौली, थाना मधुबन, जिला मऊ। धमेंद्र तिवारी, निवासी ढ़ोढनडीह, थाना कठवां, जिला रोहतास बिहार।

घोड़दौड़ रोड और वराछा में पार्किंग की जगह साप करने की मुहिम शुरु

सूरत, सूरत शहर में ट्राफिक की समस्या कम करने के लिए सूरत महानगरपालिका और पुलिस के संयुक्त प्रयास से पार्किंग की जगह साफ करने का अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें आज सुबह शहर के पोश क्षेत्र घोडदौड रोड स्थित लक्जुरियस शो रुम जेड ब्ल्यु में अवैध रुप से बनाये गये ओटले का डिमोलीशन किया गया। इसके अलावा अन्य शो-रुम को भी मार्जिन की जगह साफ करने की नोटिश दी गई। साथ ही वराछा जोन द्वारा भी कापोद्रा में 30 गाला के दुकानों के ओटले तोडने की कार्यवाही शुरु की गई है। जिसमें दुकानदारों का विरोध होने से पुलिस सहायता ली गई।

सूरत महानगरपालिका द्वारा पिछले काफी समय से खास करके शोपिंग कॉ पलेक्स की मार्जिन की पार्किंग की जगह साफ करने तथा दुकानों के ओटले तोडने की कार्यवाही शुरु की गई है। ट्राफिक की समस्या कम करने के लिए सरकार के निर्देश बाद पालिका और पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरु किया है। जिसमें शहभर में पिछले कई दिनों से उग्र विरोध के बीच यह कार्यवाही जारी रखी गई है।

आज शहर के पोश क्षेत्र गिने जानेवाले घोडदौड रोड क्षेत्र में सूरत महानगरपालिका के अठवा जोन विभाग द्वारा पार्किंग ड्राईव पुन: शुरु की गई। जिसमें युनियन पार्क चार रास्ता समीप जेड ब्ल्यु नामक प्र यात शो-रुम द्वार मार्जिन के भाग में अवैध रुप से बनाये गये रे प पर हथौडा चलाया गया। हथौडी और बुलडोजर चलाकर पार्किंग की जगह साफ की गई। जिससे अब वहां वाहन पार्क किये जा सकेंगे और मार्ग पर ट्राफिक का भारण कम होगा। इसके अलावा घोडदौड रोड की प्र यात शिवशक्ति स्वीट्स को भी शो-रुम के बाहर रे प-ओटला तोडने की नोटिश दी गई है। यदि वह अपने ढंग से उसे नहीं तोडेंगे तो पालिका द्वारा हथौडा चलाया जायेगा। यहां उलेखनीय है कि गत शनिवार को पालिका द्वारा प्र यात शो-रुम सिग्नस ज्वेलर्स और अरिहंत ज वेलर्स में भी पार्किंग की जगह साफ करने की कार्यवाही की गई थी। इतना ही नहीं पालिका द्वारा पार्किंग ड्राइव की कार्यवाही घोडदौड रोड के अलावा अन्य क्षेत्र चालू रखने का संकेत दिया गया है जिसके चलते अवैध अतिक्रमण करनेवाले में दहशत फैली हुई है।

सूरत महानगरपालिका के वराछा जोन द्वारा भी आज कापोद्रा में पार्किंग ड्राईव शुरु की गई। जिसमें नाना वराछा, चीकुवाडी रोड पर अभियान शुरु किया गया है। सीएनजी पंप से भीतर कलाकुंजवाले 30 मीटर के इस रोड पर कल्याणपुरी सोसायटी में रोड के किनारे दुकाने बनाई गई है। दुकानदारों द्वारा मार्ग के भाग में अवैध रुप से ओटले का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। आज इन ओटलों को तोडने की कार्यवाही की गई। ऐसा भी जानने को मिला कि दुकानदारो ने पालिका की इस कार्यवाही का उग्र विरोध किया जिससे काफी समय तक पालिका ने इस कार्य को रोके रखा था। जिसके बाद पुलिस सहायता से कार्यवाही शुरु की गई। स्थानिय अग्रणी व लोगों के समझाने से दुकानदारों ने समाधानकारी रवैया अपनाया और कार्यवाही की गई। समग्र मार्ग पर मार्जिन की जगह में अवैध रुप से बने ओटले तोड पार्किंग की जगह साफ की जायेगी।

डिंडोली हत्या: भागने वाली महिला के पति ने निर्दोष सुजोय की हत्या की

सूरत, डिंडोली करडवा रोड पर गत रोज एक युवक की धड से सिर अलग कर क्रूरता से हत्या की हुई लाश मिलने से भारी सनसनी मच गई थी। हलांकि इस घटना में ऐसी जानकारी मिली है कि मृतक निर्दोष सुजोय की बिना कसूर हत्या की गई। उसका छोटा भाई दो संतान की माता को लेकर भाग गया है। जिसके रंजिश और आवेश में आकर महिला के पति ने ही सुजोय के पेट में चाकू घोंपने के बाद उसका गला काट बेहद क्रूरता से उसकी हत्या की और फरार हो गया। जिसकी खोजबिन डिंडोली पुलिस कर रही है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा, वडोद गांव स्थित भगवनती नगर में रहनेवाले सुजोय नरेश पासवान की गत रोज दोपहर के समय डिंडोली करडवा रोड, गन्ने के खेत समीप हत्या की हुई लाश मिली थी। लाश के पास से मिले आधारकार्ड के आधार पर उसकी शिना त हुई। सुजोय का सिर धड से अलग कर उसकी बेहद क्रूरता से हत्या की गई थी। इस घटना में सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुजोय 15 दिन पहले ही अपने मूल वतन बिहार के औरंगाबाद से सूरत आया था और यहां छोटे भाई सोनु के साथ रहता था। सोनु प्रेम प्रकरण में कुछ दिन पहले ही पडोश में रहनेवाली दो संतान की माता को भगा ले गया है। महिला के पति की गैरहाजिरी में वह उसे भगा ले गया, जिससे उसके बाहर गांव लौटने के बाद उसे पता चला कि उसकी पत्नी को सोनु भगा ले गया है। जानकारी होते ही वह काफी आवेश में आ गया और सुजोय से सोनु के बारे में पूछा। लेकिन सुजोय को इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। जिसके बाद सुजोय को किसी भी तरह से डिंडोली ले जाकर उसने उसके पेट में चाकू घोंपने और गला काटकर उसकी हत्या कर दी। डिंडोली पुलिस ने बताया कि विवाहिता को भगा ले जाने के मामले में 24 अगस्त को पांडेसरा में एनसी शिकायत दर्ज की गई है और 24 की रात को ही सुजोय की हत्या कर दी गई। एक ओर सोनु विवाहिता को लेकर फरार है वहीं दूसरी ओर विवाहिता का पति भी गायब हो गया है। दोनों के घर को ताला लगा है। डिंडोली पुलिस ने भी फरार हो जानेवाले विवाहिता के पति पर हत्या की आशंका व्यक्त की है और उसकी खोजबिन जारी है। अतिरिक्त जानकारी के अनुसार निर्दोष सुजोय की इस मामले में बिना दोष हत्या की गई है। उसका छोटा भाई विवाहिता को लेकर फरार हो गया और विवाहिता के पति ने संभवत: रंजिश के चलते सुजोय की हत्या की है। इसके अलावा पुलिस ने मृतक सुजोय के चचेरे भाई सुरेन्द्र पासवान का संपर्क किया। सुरेन्द्र ने भी शंका के साथ कहा था कि उसका छोटा भाई सोनु पडोश में रहनेवाली विवाहिता को लेकर फरार हो गया है जिसकी रंजिश में विवाहिता के पति ने सुजोय की हत्या की है। घटना के संदर्भ में फिलहाल डिंडोली पुलिस सघन जांच कार्यवाही कर रही है।

लक्जरी बस और अज्ञात वहान की टक्कर होने से 2 लोगों की मौत

सूरत, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर अज्ञात वाहन के साथ नीजी लक्जरी बस की जबरदस्त टक्कर होने से 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक यात्री घायल हो गये। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

सूरत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर कोसंबा, धामदौड समीप तडके सवेरे मुंबई से अहमदाबाद जा रही लक्जरी बस की अज्ञात वाहन के साथ जबरदस्त टक्कर हो गई। सडक पर खडे अज्ञात वाहन के साथ टक्कर होने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है। इस भीषण दुर्घटना में बस में सवार 2 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक यात्रियों को छोटी-बडी चोटें आई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई। घायलों को ईलाज हेतु समीप अस्पताल ले जाया गया। नीजी बस दुर्घटना के बारे में जानकारी होते ही स्थानिय लोगों का टोला घटना स्थल पर एकत्रित हो गया था। हलांकि बस चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। जानकारी मिलते ही स्थानिय पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई और बस में सवार यात्रियों को सुरक्षित स्थल पर ले जाया गया व घायलों को अस्पताल ले जाया गया। घटना के संदर्भ में स्थानिय पुलिस आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

सनसनी केस में विशेष कोर्ट द्वारा फैसला सुनाते हुए स्तब्ध हो गए

गोधरा कांड मामले में २ दोषियों को उम्रकैद, ३ को बरी कर दिया

गोधरा हत्याकांड केस में २०१५-१६ में गिरफ्तार हुए पांच आरोपियों के विरूद्ध बाद में ट्रायल शुरु किया गया था : अलग अलग जगह से गिरफ्तार

अहमदाबाद । वर्ष २००२ में हुए गोधरा कांड मामले में एसआईटी कोर्ट ने पांच में से दो लोगों को दोषी ठहराया है । इसके साथ ही अन्य तीन को बरी कर दिया । मामले में इमरान उर्फ शेरू भटुक और फारूक भाना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है वही, हुस्सैन सुलेमान मोहन, फारूक धांतिया और कासम भमेड़ी को बरी कर दिया गया है। बता दें कि अलग-अलग एजेंसियों ने ६ लोगों को गिरफ्तार किया था, जो कि विशेष अदालत द्वारा ९४ आरोपियों पर वर्ष २०११ में सुनवाई के वक्त फरार चल रहे थे । गिरफ्तारी के बाद उन्हें ट्रायल के लिए रखा गया। विशेष अधिवक्ता जेएम पांचाल के मुताबिक, ६ में से एक कादिर पटालिया की कार्डिएक अरेस्ट की वजह से इसी वर्ष (२०१८) जनवरी महीने में मौत हो गई थी । इसके बाद पांच लोगों को ट्रायल पर रखा गया । इसमें हुस्सैन सुलेमान मोहन, कासम भमेड़ी, फारूक धांतिया, फारूक भाना और इमरान ऊर्फ शैरू भटुक शामिल है । ये सभी गोधरा के निवासी है ।

गौरतलब है कि मोहन को वर्ष २०१५ में मध्य प्रदेश में झाबुआ से गिरफ्तार किया गया था जबकि भमेड़ी क दाहोद रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया, धांतिया और भाना को गोधरा स्थित उनके घरों से अरेस्ट किया गया । भटुक को महाराष्ट्र में मालेगांव से जुलाई २०१६ में गिरफ्तार किया गया था । दर असल, २७ फरवरी २००२ को साबरमती एक्सप्रेस के एस-६ कोच में सवार होकर अयोध्या से लौट रहे ५० यात्री, जिसमें ज्यादातर कारसेवक थे, उन सभी की हत्या कर दी गई थी । इसके बाद समूचा गुजरात हिंसा की लपटों में घिर गया था । इन दंगों में तकरीबन एक हजार लोग मारे गए थे । यह पूरा मामला लोकल पुलिस स्टेशन से लेकर वर्ष २००८ में एसआईटी के हवाले कर दिया गया । हिंसा की घटना पर किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया बल्कि ९४ लोगों पर मुकदमा चलाया गया। इसके बाद स्पेशल एसआईटी जज ज्योत्सना याग्निक ने ३१ लोगों को दोषी ठहराते हुए ६३ लोगों को बरी कर दिया । दोषियों में से ११ लोगों को मृत्यु दंड जबकि २० को उम्र कैद की सजा दी गई ।

पिछले वर्ष (२०१७) में गुजरात हाई कोर्ट ने ११ लोगों की सजा को घटाते हुए मृत्यु दंड से उम्र कैद कर दिया । इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को इस बात के भी निर्देश दिए कि पीड़ितों के परिजन को १० लाख रुपये बतौर मुआवजा दिया जाए ।

यात्रियों की भीड़ को लेकर वेइटींग लिस्ट भी लंबा

जन्माष्टमी को लेकर छुट्टियों में अधिकतर ट्रेनें हाउसफुल

मुंबई, दिल्ली, हरिद्वार, महाकालेश्वर, मनाली, शिमला, गोवा आदि स्थलों पर जाने के लिए ट्रेनों में लंबा वेइटींग लिस्ट

अहमदाबाद । जन्माष्टमी सहित के आगामी त्यौहार को लेकर घूमने के लिए पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए लंबी रूट की ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना तो दूर की बात है, लेकिन सैकन्ड क्लास स्लीपर कोच के लिए भी २०० सीट तक की वेइटींग देखने को मिलने पर धार्मिक यात्रा पर जाने के इच्छुक यात्रियों को अनिवार्य रूप से तत्काल टिकट लेने के लिए मजबूर होना पड़े ऐसी स्थिति पैदा हो गई है । त्यौहार को लेकर छुट्टियों में अधिकतर ट्रेनें हाउसफुल हो गई है, यात्रियों की भीड़ को लेकर वेइटींग लिस्ट भी लंबा हो गया है । सामान्य रूप से गर्मी और दीपावली वेकेशन में उत्तर भारत और दक्षिण भारत की तरफ जा रही ट्रेनें हाउसफुल देखने को मिलती है, लेकिन जन्माष्टमी के समय के दौरान शनिवार-रविवार, सोमवार यह तीन छुट्टियों में एक साथ आती होने के कारण घूमने के लिए गोवा और धार्मिक यात्रा के लिए वैष्णोदेवी मथुरा की तरफ यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है ।

घूमने फिरने के शौकीन लोग त्यौहारों में महीन पहले ही टिकट बुक करा लिया है इसी वजह से त्यौहारों के २०० वेइटींग क्लीयर होना संभव नहीं है तब यात्रियों के लिए तुरंत टिकट एक सिर्फ सहारा है । मुंबई, दिल्ली, हरिद्वार, महाकालेश्वर, मनाली, शिमला, गोवा, श्रीनगर आदि स्थलों पर जाने के लिए ट्रेनों में लंबा वेइटींग लिस्ट है। विशेष उत्तर भारत जाने के लिए यात्रियों की भीड़ ज्यादा होती है । इसी वजह से उत्तर भारत के रूट की अधिकतर ट्रेनें वेइटींग ५० से २७० तक पहुंच गया है । गुजरातियों की पहली पसंद ट्रान्सपोर्टेशन के मामले ट्रेन सेवा है, इसी वजह से लंबी वेइटींग के मामले में तत्काल टिकट एक सिर्फ विकल्प बना रहेगा ।

ट्रेन में दहेरादून उत्तरांचल एक्सप्रेस-२४४, ओखा-वाराणसी एक्सप्रेस-७३, हावरा एक्सप्रेस ११५, जामनगर-कटारा, वैष्णोदेवी एक्सप्रेस-११२, मुजफ्फरनगर मोतीहारी एक्सप्रेस-१३५, गोरखपुर एक्सप्रेस-९४, गौहाटी एक्सप्रेस-२९९, मुंबई सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस-८३, कामाख्या एक्सप्रेस-८३ सहित की ट्रेनों में हाउसफुल की स्थिति पैदा हो गई है ।

राहुल गांधी-रणदीप सूरजेवाला के विरूद्ध मानहानि की शिकायत

अहमदाबाद। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सूरजेवाला के विरूद्ध सोमवार को अहमदाबाद की मेट्रोपोलिटन कोर्ट में अहमदाबाद डिस्ट्रीक्ट कॉ.ऑ. बैंक के चेयरमैन अजय पटेल द्वारा मानहानि की शिकायत दर्ज करायी गई है। एडीसी बैंक के चेयरमैन की तरफ से दर्ज करायी गई शिकायत को लेकर गुजरात की राजनीति में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है, विशेष करके कांग्रेस पार्टी की परेशानी बढ़ गई है। कोर्ट ने भी शिकायत की गंभीरता को ध्यान में लेकर धारा-२०२ के तहत कोर्ट इन्कवायरी का आदेश दिया गया और आगामी १७ सितम्बर को जरूरी दस्तावेज और गवाह के साथ उपस्थित रहने के लिए शिकायतकर्ता को आदेश दिया गया। अहमदाबाद डिस्ट्रीक्ट कॉ.ऑ. बैंक के चेयरमैन अजय पटेल द्वारा मानहानि के मामले में दर्ज करायी गई शिकायत में कई महत्व के मुद्दे उठाये गये है। विशेष करके नोटबंदी के दौरान रणदीप सूरजेवाला और राहुल गांधी द्वारा किए गए कई विवादित ट्वीट और टिप्पणी को लेकर एडीसी बैंक के चेयरमैन द्वारा मानहानि की शिकायत दर्ज करायी गई है जिसमें यह पेशकश की गई है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सूरजेवाला केइस प्रकार के विवादित बयानों को लेकर अहमदाबाद डिस्ट्रीक्ट कॉ.ऑ. बैंक की छवि को नुकसान पहुंचा है।

पाटीदार नेता हार्दिक पटेल को बड़ी राहत

रामोल तोड़फोड़ केस में कोर्ट ने जमानत मंजूर रखा

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान रामोल क्षेत्र में कॉर्पोरेटर परेश पटेल के घर पर तोड़फोड़ और हंगामा करने के केस में पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल को यहां कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। रामोल तोड़फोड़ केस में पास के कन्वीनर और पाटीदार युवा नेता हार्दिक की जमानत रद्द करने के लिए राज्य सरकार की तरफ से की गई अर्जी सोमवार को एडिशनल सेशन्स न्यायाधीश पीसी चौहाण ने खारिज कर दिया था और हार्दिक की जमानत को मंजूर रखा गया। इसके साथ रामोल की सीमा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाते हुए कोर्ट की पहले की शर्त में बदलाव करके रामोल में प्रवेश करने की मंजूरी मांगती हार्दिक पटेल की अर्जी भी कोर्ट ने सख्त रवैये के साथ खारिज कर दिया था। हालांकि कोर्ट ने हार्दिक की जमानत को मंजूर रखने पर इसे बड़ी राहत मिली है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों और प्रदर्शनों के दौरान गत २०.३.२०१७ को वस्त्राल के आस्था बंगले में रहते भाजपा के कॉर्पोरेटर परेश पटेल के घर पर हार्दिक पटेल और इसके समर्थकों द्वारा हमला और तोड़फोड़ करके हंगामा किया गया। इस प्रकरण में बाद में रामोल पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज करायी गई थी। इस केस में पहले कोर्ट ने हार्दिक को शर्त के तहत जमानत दिया था तब इसे रामोल में नहीं प्रवेश करने की शर्त के साथ जमानत दिया गया था। हालांकि बाद में कोर्ट की मंजूरी नहीं होने पर भी शर्त भंग करके रामोल में प्रवेश करके कोर्ट के आदेश का भंग करने की वजह से हार्दिक पटेल की जमानत रद्द करने के लिए सरकार की तरफ से अर्जी की गई थी। हार्दिक की तरफ से भी इसे रामोल क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए पहले की शर्त में जरूरी संशोधन करके मंजूरी दी जाए ऐसी कोर्ट को विनंती करती अर्जी की गई थी यदि राज्य सरकार की तरफ से मुख्य सरकारी वकील ने हार्दिक की अर्जी का विरोध करते हुए कहा है।

दूरदराज के लोगों तक प्राथमिक सुविधा देने के उद्देश्य के साथ जसदण-वींछिया तहसील में ८७ करोड़ से ज्यादा की रकम के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया ।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com